जहां औरतों का दर्जा ऊंचा है

# मेघालय का समाज

वीणा शिवपुरी

पतली-पतली गलियों के दोनों तरफ छोटी-छोटी दुकाने हैं। यहां सब्जी-फल से लेकर कपड़े-जूते और बाकी सब सामान मिलता है। इस बाजार की खास बात यह है कि यहां ज़्यादातर दुकानों को औरतें चलाती हैं।

ये औरतें खूब सज-धज कर रहती हैं। इन्हें पान और कच्ची सुपारी खाने का बहुत चाव है। इनकी सूरत देख कर ही पता चल जाता है कि ये औरतें पहाड़ी हैं। इनकी नाक चपटी और आंखें तिरछी और छोटी-छोटी होती हैं। ये हैं मेघालय प्रांत की औरतें।

मेघालय प्रांत हमारे देश के उत्तर पूर्व में पहाड़ों पर बसा हुआ है। यहां तीन तरह की जन-जातियों के लोग रहते हैं। उनके नाम हैं खासी, जैंतिया और गारो।

करीब सौ साल पहले अंग्रेज पादरी वहां गए। उन्होंने स्कूल खोले। लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाया। साथ ही उन्होंने वहां ईसाई धर्म भी फैलाया। आजकल वहां ज्यादातर लोग ईसाई हैं। उनके पुराने धर्म को मानने वाले कुछ लोग भी हैं। ये लोग पितरों को पूजते हैं। पेड़-पौधों और कुछ जानवर और चिड़ियों की भी पूजा करते हैं।

## परिवार की मुखिया

मेघालय के बारे में लोग बहुत कम जानते हैं। इस समाज की एक बड़ी खास बात है। यहां किसी भी आदमी-औरत के खानदान का पता उसकी मां के नाम से चलता है। लोग बाप के नाम की जगह मां का नाम अपने नाम के साथ लगाते हैं।

मां घर की मुखिया होती है। मकान, जमीन, खेती-बाड़ी सबसे छोटी बेटी को मिलते हैं। सबसे छोटी लड़की और उसका पति मां बाप के साथ रहते हैं। वे मां-बाप और बाकी भाई-बहनों की देखभाल करते हैं। घर में मामा यानि मां के भाई का बड़ा नाम होता है। हर काम उसकी सलाह से होता है।

जो मर्द सबसे छोटी बेटी से शादी करता है वह अपने ससुराल में रहता है। बाकी सब बेटे-बेटियां अलग अपना घर बसाते हैं। लेकिन सबका अपनी मां के घर से बड़ा नज़दीक का रिश्ता रहता है। कोई भी मुसीबत पड़े तो मां, मामा और सबसे छोटी बहन मदद करते हैं।

## औरतों का ऊंचा दर्जा

यहां की औरतें बहुत मेहनती होती हैं। खेती-बाड़ी से लेकर दुकानदारी और व्यापार भी संभालती हैं। अपना घर भी खूब साफ़-सुथरा

रखती हैं। बेटी के पैदा होने पर खुशियां मनाई जाती हैं। औरतों को बड़ी इज़्ज़त दी जाती है।

औरतें रात-बिरात अकेली कहीं भी आ-जा सकती हैं। बाज़ार या बस की भीड़भाड़ में भी औरतों के साथ कोई मर्द भद्दी हरकत नहीं करता। अगर दो मर्दों का आपस में कोई झगड़ा हो तो भी उस समय बदला नहीं लेते जब कोई औरत साथ हो। घर में और समाज में औरत का दर्जा ऊंचा है।

यहां सास-ससुर की ताड़ना, पति की मार-पीट, सड़क चलते छेड़छाड़ का नामनिशान भी नहीं है। दहेज, हत्या और बलात्कार भी नहीं होते। हमारे देश के एक हिस्से में ऐसा सुंदर समाज भी है। □

### मेघालय के पवित्र जंगल

हमारे देश के उत्तर पूर्व में मेघालय राज्य है। आजकल वहां ज्यादातर लोग इसाई हैं। बहुत समय से उनका एक रिवाज़ चला आ रहा है। कुछ जंगलों को वे लोग पवित्र जंगल मानते हैं। सैंकड़ों सालों से किसी ने इन जंगलों के पेड़ों को नहीं काटा है। ये लोग मानते हैं कि पवित्र जंगल के पेड़ काटने से उनका नुसकान होगा। इन जंगलों में कोई चौकीदारी नहीं करता। यहां कोई बाड़ भी नहीं लगी है। फिर भी जंगल सही-सलामत रहते हैं। इन जंगलों में आज भी बड़े-बड़े घने पेड़ हैं। यहां खूब हरियाली है। ज़मीन बेलों और झाड़ियों से ढकी हुई है। कैसा अच्छा रिवाज़ है मेघालय के लोगों का।